फा.सं. 48013/1/2012- मा. (समन्वय) वॉल्यूम- III (ई-3595)

भारत सरकार

मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय

मत्स्यपालन विभाग

पहली मंजिल, चंद्रलोक भवन 36,

जनपथ, नई दिल्ली

दिनांक 23 नवम्बर, 2022

कार्यालय ज्ञापन

विषयः मत्स्यपालन विभाग के संबंध में अक्टूबर, 2022 माह की प्रमुख गतिविधियां और मंत्रिमंडल द्वारा लिए गए महत्वपूर्ण निर्णयों पर मंत्रालयों/विभागों द्वारा की गई कार्रवाई रिपोर्ट के संबंध में ।

अधोहस्ताक्षरी को उपर्युक्त विषय पर मंत्रिमंडल सचिवालय के दिनांक 19 अगस्त, 2019 के कार्यालय ज्ञापन संख्या 1/26/1/2018-कैब का संदर्भ देने और अक्टूबर, 2022 माह के लिए मत्स्यपालन विभाग का मासिक सारांश परिचालित करने का निदेश हुआ है जिसमें की गई प्रमुख गतिविधियां,महत्वपूर्ण निर्णय और मंत्रिमंडल/मंत्रिमंडल समितियों के निर्णयों पर की गई कार्रवाई की प्रगति सूचनार्थ संलग्न है।

संलग्नक : यथोक्त

(डॉ. एंसी मैथ्यू एनपी)

सहायक आयुक्त (मात्स्यिकी)

प्रति

मंत्रिमंडल के सभी सदस्य

प्रतिलिपि

1) मंत्रिमंडल सचिवालय, राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली-110001 (ध्यानार्थ : श्री भास्कर दासगुप्ता, निदेशक)
2) प्रधान मंत्री के प्रधान सचिव
3) राष्ट्रपति के सचिव, राष्ट्रपति भवन , नई दिल्ली
4) उपराष्ट्रपति के सचिव, 6, मौलाना आजाद रोड, नई दिल्ली
5) प्रेस सूचना अधिकारी, सूचना एवं प्रसारण मंत्री, शास्त्री भवन, नई दिल्ली
6) भारत सरकार के सभी मंत्रालय/विभाग के सचिव
7) सलाहकार, कृषि कार्यक्षेत्र, नीति आयोग, नीति भवन, नई दिल्ली

सूचना के लिए प्रतिलिपि:

1) माननीय मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री के निजी सचिव
2) मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी के लिए माननीय राज्य मंत्री के निजी सचिव
3) सचिव, मात्स्यिकी के प्रधान निजी सचिव
4) अपर सचिव एवं वित्त सलहकार के प्रधान निजी सचिव
5) मत्स्यपालन विभाग के संयुक्त सचिवों के प्रधान निजी सचिव
6) तकनीकी निदेशक, एनआईसी डीओएफ को विभाग की वेबसाइट पर संलग्न दस्तावेज अपलोड करने के अनुरोध के साथ।

मत्स्यपालन विभाग, मत्स्यपालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय में अक्टूबर, 2022 के दौरान लिए गए महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णय एवं प्रमुख उपलब्धियां

1. माह के दौरान, 1315.45 करोड़ रुपये के कुल परिव्यय वाली परियोजनाओं को कार्यान्वयन के लिए स्वीकृत किया गया। साथ ही वर्ष 2022-23 में 4000 करोड़ रुपये के लक्ष्य के मुकाबले कुल स्वीकृति 3761.25 करोड़ रुपये पहुंच गई।

2. पीएमएमएसवाई की पीएसी की 32वीं और 33वीं बैठकें आयोजित की गईं और 725 करोड़ रुपये कुल परिव्य वाली परियोजनाओं का मूल्यांकन किया गया और उनके अनुमोदन की सिफारिश की गई तथा वर्ष 2022-23 के लिए गुजरात, पंजाब, मेघालय, लद्दाख और कर्नाटक की वार्षिक कार्य योजनाओं को भी स्वीकृत किया गया।

3. 27/10/2022 को पीएमएमएसवाई की सीएसी की 9वीं बैठक आयोजित की गई थी जहां केज कल्चर, आरएएस और सागर मित्र जैसे महत्वपूर्ण घटकों को नियंत्रित करने वाले दिशानिर्देशों में आवश्यकता आधारित संशोधनों को मंजूरी दी गई थी। यह उम्मीद की जाती है कि ये संशोधन जलीय कृषि के इन नए रूपों को अपनाने में तेजी लाएंगे।

4. प्रत्येक मछुआरा निवास क्षेत्रों में कम से कम एक आर्टीफिशियल रीफस बनाने के उद्देश्य से पीएमएमएसवाई के उप-घटकों के रूप में आर्टीफिशियल रीफस का निर्माण और सी रैंचिंग को शामिल किया गया था। वर्ष 2022-23 के लिए 372 करोड़ की लागत से 1200 आर्टीफिशियल रीफस तथा 28 करोड़ की लागत से सी रैंचिंग का लक्ष्य निर्धारित किया गया था। इससे परिचालन लागत में कमी और छोटे पैमाने की मात्स्यिकी संबंधी उत्पादकता में उल्लेखनीय सुधार होने की उम्मीद है।

5. विभाग ने माह के दौरान विशेष अभियान 2.0 चलाया। माननीय राज्य मंत्री ने हैदराबाद और चेन्नई में, विशाखापट्नम में सचिव द्वारा और कोच्चि, गोवा और मुंबई में जहां विभाग के शाखा कार्यालय हैं, अन्य वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा अभियान का नेतृत्व किया गया। यह अभियान 15 स्थानों पर चलाया गया, अनावश्यक फाइलों को हटा दिया गया और कार्यालय में महत्वपूर्ण स्थानों को उपयोग के लिए उपलब्ध किया गया।

6. माननीय कैबिनेट मंत्री ने 8.10.2022 को कुड्डालोर, तमिलनाडु का दौरा किया और मछुआरों के कल्याण और तटीय मात्स्यिकी के बुनियादी ढांचे से संबंधित मुद्दों पर स्थानीय प्रशासन और मछुआरों के साथ बातचीत की। माननीय मंत्री ने भी 20 अक्टूबर को कोहिमा का दौरा किया और पीएमएमएसवाई के कार्यान्वयन और मत्स्य संबंधी मुद्दों पर राज्य के प्रतिनिधियों के साथ चर्चा की।

7. माननीय राज्य मंत्री (एफएएचडी) ने 21.10.2022 को चेन्नई का दौरा किया और एफएसआई और सिफनेट की गतिविधियों की समीक्षा की। उन्होंने प्रशिक्षुओं से भी बातचीत की।

8. 21 अक्टूबर को विभाग ने डब्ल्यूटीओ मत्स्य सब्सिडी समझौते के विषय पर राज्य सरकारों और अन्य हितधारकों को समझौते के विभिन्न पहलुओं और इसके निहितार्थों के प्रति संवेदनशील बनाने के लिए आधे दिन की कार्यशाला का आयोजन किया। इसमें विभागों, निदेशालयों, शोधकर्ताओं, गैर सरकारी संगठनों और मछुआरा संघों से 1000 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

9. 27 अक्टूबर को पीएम गतिशक्ति एनएमपी पर विभाग के अधिकारियों के प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण के लिए एक कार्यशाला का आयोजन किया गया।

10. एनजीटी (दक्षिणी क्षेत्र) ने सुओ मोटो मामले पर सीएए को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि हैचरी संस्थाएं सीआरजेड व्यवस्था के तहत मंजूरी लें। हालांकि सीएए अधिनियम 2005 के तहत एक विशिष्ट प्रावधान (धारा 27) द्वारा जलकृषि को सीआरजेड शासन से छूट दी गई है, इस आदेश में छोटे पैमाने के एक्वा फार्मों को सीआरजेड मंजूरी लेने के लिए मजबूर कर उन्हें क्षति पहुंचाई जा सकती है। इसलिए, विभाग ने एक समीक्षा याचिका दायर की है और इस क्षेत्र की सुरक्षा के लिए सीएए अधिनियम में उपयुक्त संशोधन लाने के लिए सभी प्रयास कर रहा है।

11. राष्ट्रीय मात्स्यिकी विकास बोर्ड (एनफडीबी) ने रिवर रैंचिंग कार्यक्रम का आयोजन किया और 250 मछुआरों की भागीदारी के साथ नेताजी धुबुनी घाट, ब्रह्मपुत्र नदी और फ्लोरिकन गार्डन घाट, गौरांग नदी नामक दो स्थानों पर मत्स्य बीज प्रदान किए गए।

12. एनएफडीबी ने माह के दौरान 40,000 लोगों को कवर करते हुए 75 प्रशिक्षण और जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया।

13. 27 अक्टूबर को विश्व बैंक और सीआईआई के सहयोग से "मेक इन इंडिया" पहल के तहत "भारतीय मात्स्यिकी क्षेत्र कोल्ड चेन ऑपरेशन में व्यावसायिक नवाचारों को बढ़ावा देना" पर एक कार्यशाला आयोजित की गई।

14. 28 अक्टूबर 2022 को विज्ञान भवन एनेक्सी, नई दिल्ली में माननीय राज्य मंत्री, मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी (एफएएचडी) की अध्यक्षता में मत्स्यपालन विभाग (डीओएफ) और पशुपालन और डेयरी विभाग (डीएएचडी) की संयुक्त हिंदी सलाहकार समिति की पहली बैठक आयोजित की गई ।

15. तटीय जलकृषि प्राधिकरण (सीएए) ने माह के दौरान एंटीबायोटिक मुक्त पदार्थों के अनुपालन प्रमाणपत्र जारी करने के संबंध में हैचरी और नौपली पालन के 12 आवेदन, पंजीकरण के लिए 231 आवेदन, एक्वाकल्चर फार्मों के नवीनीकरण के लिए 124 आवेदन और 32 एक्वा इनपुट निर्माता/वितरक कंपनियों से 130 आवेदनों को मंजूरी दी। इसके अलावा, सीएए ने आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और गुजरात राज्यों में स्थित 434 फार्मों और हैचरी का निरीक्षण किया और लाइसेंस की शर्तों के अनुपालन के लिए डिस्चार्ज पॉइंट्स से पानी के 21 नमूने एकत्र किए गए।

16. भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण के आठ (8) मत्स्यन जहाजों ने भारतीय विशिष्ट आर्थिक क्षेत्र (ईईजेड) में और उसके आसपास खोजपूर्ण सर्वेक्षण कार्यक्रम चलाए और संचालित किए।

17. भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण के वैज्ञानिकों की एक टीम ने हिंद महासागर टूना आयोग (आईओटीसी) के कार्यकारी समूहों के विभिन्न बैठकों में भाग लिया जैसे 3 से 5 अक्टूबर 2022 के दौरान वर्चुअल मोड के माध्यम से फिश एग्रीगेटिंग डिवाइसेस (एफएडीएस) (डब्ल्यूजीएफएडीएस) पर तीसरी आईओटीसी एड-हॉक वर्किंग ग्रुप की बैठक, 19 से 21 अक्टूबर, 2022 के दौरान 13वीं वर्किंग पार्टी ऑन मेथड्स (डब्ल्यूपीएम-13) और 24 से 29 अक्टूबर, 2022 के दौरान आयोजित ट्रॉपिकल ट्यूनास (डब्ल्यूपीटीटी) पर वर्किंग पार्टी की 24वीं बैठक।

18. केन्द्रीय मात्स्यिकी तटवर्ती इंजीनियरी संस्थान (साइसेफ) ने 50 मशीनीकृत मत्स्यन जहाजों और 80 संख्या में फाइबर प्रबलित प्लास्टिक (एफआरपी) नावों के बेड़े के लिए कर्नाटक के उत्तर कन्नड़ जिले के बेलाम्बरा में मत्स्यन बंदरगाह के निर्माण की पूर्व व्यवहार्यता रिपोर्ट तैयार की। पहली बार, सैंडबार ब्रेकवाटर और जियो ट्यूब्स के उपयोग की अवधारणा को डिजाइन में शामिल किया गया है और यह मत्स्यन बंदरगाह/मत्स्य लैंडिंग सेंटर की लागत को कम करने में काफी मदद करेगा।

19. राष्ट्रीय मात्स्यिकी पोस्ट हार्वेस्ट प्रौद्योगिकी तथा प्रशिक्षण संस्थान (निफेट) ने माह के दौरान 438 प्रशिक्षु दिनों सहित 76 समुद्री मछुआरा महिलाओं/पुरुषों के लिए पोस्ट हार्वेस्ट प्रबंधन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया।

20. 31 अक्टूबर 2022 को सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती मनाने के लिए राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर मत्स्यपालन विभाग एवं समस्त अधीनस्थ संस्थाओं के समस्त पदाधिकारियों ने सत्यनिष्ठा शपथ ली।

21. जन शिकायतें: मत्स्यपालन विभाग के लिए सीपीजीआरएएमएस पोर्टल के तहत शिकायतों का निपटान 31 अक्टूबर, 2022 तक 92% था।

***